1. कौन सिखाता है?

कुदरत हमें बहुत कुछ देती है। पशु-पक्षी और प्राणी सभी कुदरत के स्वाभाविक नियमों का पालन करते हैं।

कौन सिखाता है चिड़ियों को
चीं-चीं, चीं-चीं करना?
कौन सिखाता फुदक-फुदककर
उनको चलना-फिरना?

कौन सिखाता फुर्र से उड़ना
दाने चुग-चुग खाना।
कौन सिखाता तिनके ला-ला
कर घोंसले बनाना?

कौन सिखाता है बच्चों का,
लालन-पालन उनको?
माँ का प्यार, दुलार, चौकसी,
कौन सिखाता उनको?

कुदरत का यह खेल,
वही हम सबको, सब कुछ देती।
किंतु नहीं बदले में हमसे,
वह कुछ भी है लेती।

हम भी उसके अंश
कि जैसे तरु, पशु-पक्षी सारे।
हम सब उसके वंशज
जैसे सूरज-चाँद-सितारे।

– द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी